लैंगिक समानता को बढ़ावा

परिचय:–

शासकीय महाविद्यालय सनावल अपनी स्थापना से ही महाविद्यालयअपनी संरचना में लैंगिक समानता पर बल देता रहा है। हमारा महाविद्यालय Co-Educationपर आधरित है। लैंगिक समानता को बढ़ावा देने हेतु महाविद्यालय में प्रत्येक वर्ष कई कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

प्रस्तावना:–

लैंगिक समानता के अंर्तगत हमारे महाविद्यालय में प्रवेश के समय हर वर्ग की छात्राओं के लिए विशेष रुप से 30%सीट आरक्षित है तथा शेष 70% सीट सभी विद्यार्थियों के लिए है। महाविद्यालय में छात्र तथा छात्राओं के बैठने की व्यवस्था समान रुप से की गयी है एक ओर छात्र तथा दूसरी ओर छात्राओं के बैठने की व्यवस्था की गयी है। इस महाविद्यालय में छात्र तथा छात्राओं के मध्य ऊँच–नीच की भावना को समाप्त करने के लिए गणवेश की व्यवस्था सत्र 2018–19 से की गयी है हमारे महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर गणवेश की व्यवस्था की गयी है। इस व्यवस्था का एक यह भी परिदृश्य है कि छात्र–छात्राओं के बीच लैंगिक अथवा आर्थिक असमानता की भावना उत्पन्न न हो। साथ ही साथ महाविद्यालय के सभी प्रकार के कार्यक्रमों तथा कार्यक्षेत्र में छात्र तथा छात्राओं दोनों की समान भागीदारी होती है।इन्हें प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने व उच्च शिक्षा को ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया जाता है, इन्हें सभी क्षेत्रों जैसे– व्यावसायिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, खेलकूद तथा सामाजिक कार्यक्रमों में सभी प्रकार से आगे बढ़ने का समान अधिकार प्राप्त है जो कि लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है।

WOMAN CE

महाविद्यालय में छात्राओं को अलग से सामूहिक कमरे (GIRLS COMMAN ROOM) है तथा छात्राओं के लिए SANITARY PADMACHINE की व्यव्यथा की गई है। तथा महाविद्यालय मेंWash Roomकी व्यवस्था छात्र व छात्राओं के लिये पृथक रुप से उपलब्ध है तथा महाविद्यालय के द्वारा प्रदान किये गये पुस्तकालय की सुविधा के अंतर्गत छात्र व छात्राओं के पठन–पाठन हेतु पर्याप्त व्यवस्था की गयी है।

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण इसे अनुसूचित क्षेत्र घोषित किया गया है। हमारे महाविद्यालय में विगत कई वर्षों से छात्रों की अपेक्षा छात्राओं की संख्या में लगातार वृद्धि होती रही है,जिसमें अधिकतर छात्राएँ दूरस्थ ग्रामीण अंचलों से आती हैं।

इस प्रकार से इस महाविद्यालय में लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया जाता रहा है ताकि यहाँ से शिक्षित होकर छात्र एवं छात्राएँ दोनों ही सभी क्षेत्रों में जा कर अपनी सेवा दे सकें तथा देश के आर्थिक व सामाजिक विकास में अपनी सहभागीता को प्रदान कर सकें जिससे हमारे देश का समुचित विकास में उनका भी योगदान हो सके।

लैंगिक समानता के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय,सनावल द्वारा विभिन्न कार्यक्रम चलाए जाते हैं–

सत्र 2015–16:–

26 अगस्त महिला समानता दिवस:–

शासकीय महाविद्यालय**सनावल** में इस दिवस पर कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसके उपलक्ष्य पर बालिकाओं के शिक्षा व समानता पर जोर दिया गया। जिसमें भिन्न–भिन्न प्रवक्ताओं द्वारा नारियों की वीरता के विषय पर व्याख्यान देकर यह बताया गया, कि देश व समाज में महिलाओं का क्या योगदान रहा है साथ ही साथ समाज में महिलाओं की भूमिका पुरुषों के साथ ही महत्वपूर्ण है। आधुनिक युग में महिलाओं को पुरुषों के समान कार्य और शिक्षा प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा समय–समय पर विभिन्न प्रकार की योजनाओं का संचालन किया जाता रहा है। जिससे महिला व पुरुषों के मध्य भेदभाव को कम किया जा सके तथा समानता को बढ़ाया जा सके, इस कारण महिला समानता दिवस 26 अगस्त को मनाया जाता है।

हमारे महाविद्यालय में महिलाओं के शिक्षा व समानता के लिए कुछ कार्यक्रम कराये गये जो कि निम्न प्रकार से है– नारा लेखन, निबंध प्रतियोगिता तथा भाषण आदि है इसमें महिला व पुरुषों के बीच समानता को स्थापित करने का प्रयास किया गया है। सत्र् 2015–16 में छात्रों की संख्या 131 व छात्राओं की संख्या 81 रही है जो कि लैंगिक समानता को दर्शाती है।

सत्र – 2016-17

26 अगस्त महिला समानता दिवसः–

शासकीय महाविद्यालयसनावल में इस दिवस पर कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसके उपलक्ष्य पर बालिकाओं के शिक्षा व समानता पर जोर दिया गया। जिसमें भिन्न–भिन्न प्रवक्ताओं द्वारा नारियों की वीरता के विषय पर व्याख्यान देकर यह बताया गया, कि देश व समाज में महिलाओं का क्या योगदान रहा है साथ ही साथ समाज में महिलाओं की भूमिका पुरुषों के साथ ही महत्वपूर्ण है। आधुनिक युग में महिलाओं को पुरुषों के समान कार्य और शिक्षा प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा समय–समय पर विभिन्न प्रकार की योजनाओं का संचालन किया जाता रहा है। जिससे महिला व पुरुषों के मध्य भेदभाव को कम किया जा सके तथा समानता को बढ़ाया जा सके, इस कारण महिला समानता दिवस 26 अगस्त को मनाया जाता है।

हमारे महाविद्यालय में महिलाओं के शिक्षा व समानता के लिए कुछ कार्यक्रम कराये गये जो कि निम्न प्रकार से है– नारा लेखन, निबंध प्रतियोगिता तथा भाषण आदि है इसमें महिला व पुरुषों के बीच समानता को स्थापित करने का प्रयास किया गया है। सत्र् 2016–17 में छात्रों की संख्या 149 व छात्राओं की संख्या 91 रही है जो कि लैंगिक समानता को दर्शाती है।

24 सितम्बर राष्ट्रीय सेवा योजनाः–

शासकीय महाविद्यालय**सनावल** में छै इकाई में छात्र–छात्रा की संख्या 50–50 है। इसके अंर्तगत महाविद्यालय की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है, जिसमें बालक व बालिकाओं को समान रुप से कार्य का विभाजन किया जाता है तथा इन्हें समानता व साफ–सफाई के विषय में शिक्षित किया जाता है। ग्रामवासियों में बालिकओं के शिक्षा का महत्व व भ्रूण हत्या पर रोक एवं रुढिवादिता को दूर करने हेतु जागरुकता फैलाने का कार्य किया जाता है|

राष्ट्रीय सेवा योजना
शा.महाविद्यालय सनावल
जिला –बलरामपुर (छ.ग.)
सरगुजा विश्वविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)
महाविद्यालय सनावल
राष्ट्रीय सेवा योजना
सत्र–20.16.2017.
विद्यालय परिवार आपका हार्दिक
स्वागत एंव अभिनंदन करता है।

NEVADA
99
राष्ट्रीय सेवा योजना
शा.महाविद्यालय सनावल
जिला –बलरामपुर (छ.ग.)
सरगुजा विश्वविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

24 जनवरी राष्ट्रीय बालिका दिवसः–

शासकीय महाविद्यालयसनावलमें 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा एवं जानकारी दी गयी है।

"बेटी बचाओं–बेटी पढ़ाओं":–

भारत सरकार ने इस विषय पर बयान देते हुए बेटी बचाओ–बेटी बढ़ाओं का अभियान चलाया गया है तथा हमारे महाविद्यालय के प्रमुख वक्ताओं ने इसके बारे में विशेष जानकारी दी। जिसके अन्तर्गत बालकों तथा बालिकाओं के शिक्षा तथा सकारात्मक सोच विचार के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसके साथ ही साथ बेटियों के महत्व को समझाया गया है जिसमें यह बताया गया की बेटियां सुरक्षित रहेगी ,तो ही समाज सुरक्षित रहेगा। ताकि समाज का सृजन हो सके।

कन्या भ्रूण हत्या–

कन्या भ्रूण हत्या जन्म से पहले लड़कियों को मार डालने की क्रिया है।अल्ट्रासाउड स्कैन जैसे लिंग परीक्षण जांच के बाद जन्म से पहले माँ के गर्भ से लड़की के भ्रूण को समाप्त करने के लिए गर्भपात की प्रकिया को अपनाते है जो कि कन्या भ्रूण हत्या कहलाता है।

जबकि यही लड़कियॉ समाज में वंश को आगे बढ़ाने में कार्य करते हैं, इसलिए इनके जीवन की सुरक्षा अति आवश्यक है। बेटियों के शिक्षा से समाज के विकास में वृद्धि होती है।

हमारे महाविद्यालय में इससे संबंधित पेंटिग व पोस्टर एवं नाटक कार्यक्रम आयोजित की गयी। इसमें बेटियों के शिक्षा एवं सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया।

08 मार्च अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस:–

शासकीय महाविद्यालय**सनावल** में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्राचार्य द्वारा महिलाओं को शक्ति तथा उनकी क्षमता, महत्व के बारे में व्याख्यान देकर महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को समझाया तथा इस अवसर पर हमारे महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता एवं कविता लेखन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसके अर्न्तगत छात्रों की संख्या कम तथा छात्राओं की संख्या अधिक थी।

प्राचार्य

सत्र 2017–18

26 अगस्त महिला समानता दिवसः–

इस दिन महिला समानता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर हमारे महाविद्यालय में अनेक जानकारीयाँ दिया जाता है। जिसमें मुख्य बिंदु हैः–

- महिला नेतृत्व क्षमता का विकास एवं प्रेरितः–

इस अवसर पर हमारे महाविद्यालय के मुख्य प्रवक्ताओं द्वारा बताया गया कि समाज में महिलाएँ किस प्रकार दूसरे व्यक्ति द्वारा शोषित होती रही हैं। तथा किसी भी क्षेत्र में आगे नहीं जा पाती है। और न ही उनमे कुछ कार्यकुशलता की क्षमता का विकास हो पाता है। जिससे समाज में वे शोषण का शिकार बनती जाती है। इस सन्दर्भ में विशेष जानकारी देते हुए यह बताया गया, कि किस प्रकार से बालिका अपने गाँव–घर व समाज में शिक्षा से वंचित रह जाती है। तथा कम उम्र में उनका बाल–विवाह कर दी जाती है तथा बालिकाओं को समाज में हीन दृष्टि से देखा जाता रहा है जो कि रुढ़िवादिता को दर्शाता है।

इन सभी बिंदुओं को इंगित करते हुए वक्ताओं ने छात्र तथा छात्राओंको जागरुक किया तथा उन्हें अन्य लोगों को जागरुक करने की शिक्षा दी। उन्होने बताया, कि इसको सुधारनेके लिए सरकार द्वारा कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

<u>24 सितम्बर राष्ट्रीय सेवा योजना</u>:–

शासकीय महाविद्यालयसनावलमें छै के छात्र–छात्रा की कुल संख्या 100 है। जिसमें छात्र–छात्रा का अनुपात बराबर का होता है इसके अंर्तगत महाविद्यालय की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में सात दिवसीय शिविर छै प्रभारी **प्रो. महेन्द्र कुमार उके** के द्वारा आयोजन किया जाता है तथा छात्राओं की सुविधा के मद्देनजर इस शिविर के अंतर्गत एक महिला प्राध्यापक को भी शामिल किया जाता है। इनके द्वारा दिये गये दिशा निर्देश के आधार पर छात्र–छात्रा कार्य का निर्वहन करते हैं।

छात्र–छात्रा के मध्य सभी क्षेत्र में समानता स्थापित किया जाता है साथ ही साथ छात्र–छात्राओं को प्रेरित किया जाता है। कि वे ग्राम वासियों के मध्य जागरुकता को फैलाने का कार्य करें।शासकीय लरंगसाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामानुजगंज से छै में भाग लेने वाले छात्र–छात्राओं में छात्राओं की संख्या अधिक रही है।

24 जनवरी राष्ट्रीय बालिका दिवस:–

हमारे महाविद्यालय में 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। जिसमें लडकियों की महत्ता पर प्रकाश डाला गया है। इस कार्यक्रम में प्राचार्य एवं प्राध्यापक तथा अतिथि के रुप में महिलाओं को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में उपस्थित प्रवक्ताओं के द्वारा यह बताया गया आज के आधुनिक युग में बालक–बालिकाओं के मध्य भेद भाव की भावना बनी हुई है। जिसके कारण भारत में महिलाओं की संख्यापुरुषों की अपेक्षा कम है तथा महिलाओं की मृत्यु दर भी अधिक है इन सभी बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि आज के दौर में महिलाएँ पुरुषों की अपेक्षा सभी क्षेत्रों में कार्य करने में सशक्त हैं। साथ ही साथ बालिकाओं को आत्म रक्षा के गुण से भी अवगत कराया गया।

08 मार्च अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस:–

शासकीय महाविद्यालयसनावल में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्राचार्य द्वारा महिलाओं को शक्ति तथा उनकी क्षमता, महत्व के बारे में भाषण देकर महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को समझाया तथा इस अवसर पर हमारे महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता एवं कविता लेखन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसके अर्न्तगत छात्रों की संख्या कम तथा छात्राओं की संख्या अधिक थी।

प्राचार्य

WOMAN

सत्र 2018–2019

26 अगस्त महिला समानता दिवसः–

वर्तमान में महिलाओं की समाज में तथा देश की अर्थव्यवस्था सभी क्षेत्र में इनकी सहभागिता बराबर–बराबर दिखाई दे रही है। इन सबके बावजूद भी हमारे भारत देश में महिलाओं के प्रति भेद–भाव की दृष्टी बनी रही है। महिला समानता दिवस इसी बात को इंगित करता है, कि महिला तथा पुरुष समान हैं उन्हें सभी क्षेत्र में समानता का अधिकार प्राप्त है।

हमारे महाविद्यालय में गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें निमंत्रित प्रवक्ता के द्वारा अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को महिला व पुरुष के मध्य समानता का व्यवहार व शिक्षा व स्वास्थ सुरक्षा के बारे में ज्ञानवर्धक जानकारीयाँ प्रदान की गई। साथ ही साथ लैंगिक समानता के विषय पर भी चर्चा की गई, इस कार्यक्रम की थीम **"बैलेंस फॉर बेटर"** रखी गई थी। लैंगिक समानता के विषय में चर्चा करते हुए प्राचार्य ने बताया, कि हमारे महाविद्यालय में कुल छात्रों की संख्या 161 है तथा छात्राओं की संख्या 130 है।

<u>24 सितम्बर राष्ट्रीय सेवा योजना</u>:–

शासकीय महाविद्यालय**सनावल** में NSSमें छात्र–छात्रा की कुल संख्या 100 होती है। जिसमें छात्र–छात्रा का अनुपात बराबर का होता है इसके अंतर्गत महाविद्यालय की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में सात दिवसीय शिविर छै प्रभारी **प्रो. महेन्द्र कुमार उके**के द्वारा आयोजन किया जाता है तथा छात्राओं की सुविधा के मद्देनजर इस शिविर के अंतर्गत एक महिला प्राध्यापक को भी शामिल किया जाता है। इनके द्वारा दिये गये दिशा निर्देश के आधार पर छात्र–छात्रा कार्य का निर्वहन करते हैं छात्र–छात्रा के मध्य सभी क्षेत्र में समानता स्थापित किया जाता है साथ ही साथ छात्र–छात्राओं को प्रेरित किया जाता है। कि वे ग्राम वासियों के मध्य जागरुकता को फैलाने का कार्य करें। शासकीय लरंगसाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामानुजगंज से छै में भाग लेने वाले छात्र–छात्राओं में छात्राओं की संख्या अधिक रही है।

<u>24 जनवरी राष्ट्रीय बालिका दिवस</u>:–

हमारे महाविद्यालय में 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया है। जिसकी थीम **"उज्जवल कल के लिए बालिकाओं / लडकियों का सशक्तिकरण"** रखी गई थी जिसके अंतर्गत यह बताया गया, कि बालक बालिका के बीच भेदभाव को दूर कर समानता को लाना है। बालिकाओं को कानूनी अधिकार से रुबरु कराया गया जिसमें उन्हें जानकारी दी गई, कि मॉल व होटलों के अंतर्गत महिलाओं के साथ किस प्रकार की अप्रत्याशीतअश्लील गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है तथा उन्हें सतर्क रहने व स्वयं की सूरक्षा के लिए प्रेरित किया गया है। इस कार्यक्रम में 150 छात्राएँ उपस्थित रहीं।

<u>08 मार्च अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस</u>:–

शासकीय महाविद्यालयसनावल में अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी थीम ष्लैंगिक असमानता को दुर करना थाष जिस पर प्राचार्य द्वारा महिलाओं को शक्ति तथा उनकी क्षमता, महत्व के बारे में भाषण देकर महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को प्रेरित किया गया। तथा इस अवसर पर हमारे महाविद्यालय में भाषण प्रतियोगिता एवं कविता लेखन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसके अर्न्तगत छात्रों की संख्या कम तथा छात्राओं की संख्या अधिक थी।

वार्षिकोत्सवः–

हमारे महाविद्यालय में 7 दिवसीय वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाता है जिसमें सभी गतिविधियों से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन कराया जाता है। जैसे– खेल–कुद, पेन्टिग, पोस्टर लेखन कार्य, (निबंध, नारा, कविता) काव्य पाठ, कबाड से जुगाड, रंगोली, मेहंदी, सलाद सज्जा, पुष्प सज्जा, केश सज्जा, पाक कला, गायन, भाषण प्रतियोगिता, वाद–विवाद, नाटक, बैडमिंटन, नृत्य कला इत्यादि।

सभी गतिविधियों में छात्र–छात्राओं को समान अवसर प्रदान किये जाते हैं। तथा प्रशस्ती पत्र व मेडल के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाता है।

सत्र 2019–20

26 अगस्त महिला समानता दिवसः–

महिला समानता दिवस 2019 में 99 वीं वर्षगाठ के रूप में मनायी गई। तथा इसके अन्तर्गत महिलाओं की वीरता को उनके सभी क्षेत्र में दिए गए योगदान को सराहा गया। साथ ही साथ छात्र–छात्राओं को इनकी महत्व से भी अवगत कराया गया। महिला समानता दिवस पर छात्राओं तथा छात्रों को समान रूप से कार्य करने विकास करने तथा बाह्य क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। हमारे महाविद्यालय में छात्रों की अपेक्षा छात्राओं की संख्या अधिक रही है।

24 सितम्बर राष्ट्रीय सेवा योजना दिवसः–

इस महाविद्यालय में रा.से.यो. 100 की इकाई संचालित है। इसमें छात्र–छात्राओं संख्या 50–50 होती हैं। बराबर मात्रा में छात्र–छात्राओं को रा.से.यो. में भाग लेने की समानता प्रदान की जाती है। सभी की एक साथ रैली निकाली जाती है।

महाविद्यालय की ओर से रा.से.यो. में भाग लेने वाले छात्र–छात्राओं के लिए सात दिवसीय शिविर लगाया जाता है। यह आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में लगाया जाता है। जहाँ छात्र तथा छात्रा दोनों को एक समान दृष्टि से देखा जाता है तथा सभी कार्य में दोनों की भागीदारी समान रूप से होती है। रा.से.यो. के सात दिवसीय विशेष शिविर में ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर वहॉ के लोगों को शिक्षा के प्रति, साफ–सफाई एवं आदि कार्य के लिए जागरूक करना होता है।

इसके लिए नाटक, भाषण, गायन, नृत्य आदि कार्यक्रम होता है तथा अतिथियों को निमंत्रित कर समानता व जागरूकता लाने का प्रयास किया जाता है।

24 जनवरी राष्ट्रीय बालिका दिवसः–

इसके अन्तर्गत बालिकाओं को हर क्षेत्र में कार्य करने को प्रेरित किया गया। जहाँसभी क्षेत्र में कंधे से कंधे मिलाकर चलने की प्रेरणा दी जाती है। इस दिवस पर महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी थीम ष्बेटियों को शिक्षित व सुरक्षित रखने के संबंध मेंष रखी गई थी यह प्रत्येक वर्ष किया जाता है। तथा बालिकाओं को आगे बढ़ने के लिए उत्साहित किया जाता है। जिससे हमारे समाज तथा देश की अर्थव्यवस्था में भी विकास हो सके।

08 मार्च अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवसः–

शासकीय महाविद्यालयसनावलमें अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्राचार्य द्वारा महिलाओं को शक्ति तथा उनकी क्षमता, महत्व के बारे में भाषण देकर महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को समझाया तथा इस अवसर पर हमारे महाविद्यालय में भाषण प्रतियोगिता एवं कविता लेखन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसके अर्न्तगत छात्रों की संख्या कम तथा छात्राओं की संख्या अधिक थी।

12 मई अर्न्तराष्ट्रीय नर्स दिवस:–

अर्न्तराष्ट्रीय नर्स दिवस पूरे विश्व में 12 मई को मनाई जाती है। यह फ्लोरेन्स नाइटिंगेल के जन्मदिवस पर मनाय जाता हैं। अर्न्तराष्ट्रिय नर्स दिवस इसलिये मनाया जाता है क्योंकि नर्स अपना पूरा समय रोगियों के सेवा मे जैसेः– उनकी देखभाल करना, शारीरिक एवं मानसिक रूप से तथा उनके समर्पण को इस दिवस के रूप में सराहना दी जाती है तथा उनके हौसलों का बढ़ाया जाता हैं।

शासकीय महाविद्यालयसनावलमें 12 मई अर्न्तराष्ट्रीय नर्स दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया। जिसकी थीम ''Health For All'' थी।

महाविद्यालय के प्रवक्ता ने नर्सो को सम्बोधित करते हुए, उनके द्वारा किये गये आत्मसमर्पण तथा कार्यो के बारे में उल्लेख किया। आज के युग में छात्र तथा छात्रा दोनों साथ–साथ कार्य करते हैं, तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी साथ–साथ कार्य कर देश तथा समाज को आगे बढ़ाने के प्रयास में है। नर्स के क्षेत्र में बालक–बालिका दोनों का ही एक ही कार्य रोगियों की देखभाल, शारीरिक तथा मानसिक रूप से करते हैं तथा इनकी शिक्षा भी समान रूप से कराई जाती है। यहॉ तक कि इनकी वेशभूषा भी एक समान होती हैं।

अर्थात् यह कह सकते हैं, कि हर क्षेत्र में महिला तथा पुरूष दोनों को समान अधिकार है किवह खुद भी आगे बढ़े व समाज एवं देश को भी आगे विकास की ओर अग्रसर करें।

वार्षिकोत्सव–

इस अवसर पर हमारे महाविद्यालय में सात दिवसीय वार्षिकोत्सव मनाया जाता हैं। इसमें महिला तथा पुरूष दोंनों को सभी गतिविधियों में समान अवसर प्रदान किया जाता हैं। जैसे– मेंहदी, पुष्पसज्जा, केशसज्जा यह बालिकाओं के लिए यह प्रतियोगिता कराई जाती है।

रंगोली, सलाद–सज्जा, पाक–कला, निबंध प्रतियोगिता, बैड़मिटन, कबड्डी, वॉलीबाल, भाला–फेक, ऊँची कूद एवं लम्बी कूद, दौड़ प्रतियोगित, गायन, नृत्य एवं वाद–विवाद आदि कार्यक्रमों में समान रूप सहभागिता दिया जाता है।

शासकीय महाविद्यालय सनावल
वार्षिक स्नेह-सम्मेलन
REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA
2019/2/5 12:26

सत्र 2020–21

26 अगस्त महिला समानता दिवसः–

वैश्विक महामारी कोविड–19 के कारण केन्द्र सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश के आधार पर महाविद्यालय पूर्णतः बंद होने के कारण इस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया।

24 सितम्बर राष्ट्रीय सेवा योजना दिवसः–

वैश्विक महामारी कोविड–19 के कारण केन्द्र सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया।

24 जनवरी राष्ट्रीय बालिका दिवसः–

वैश्विक महामारी कोविड–19 के कारण केन्द्र सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया।

वार्षिकोत्सव–

वैश्विक महामारी कोविड–19 के कारण केन्द्र सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया।

08 मार्च अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवसः–

शासकीय महाविद्यालयसनावलमें अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्षय पर प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी ष्महिला नेतृत्वः कोविड–19 में एक समान भविष्य को प्राप्त करनाष रखी गई थी इस थीम के द्वारा महिलाओं के कार्य के प्रति समर्पण व श्रम को सराहा गया है। वैश्विक महामारी ब्व्टप्ब्:19 में सेवा भावना से उनकी भागीदारी की प्रशंसा की गई है। और वक्ताओं ने इन सभी विषयों पर चर्चा की।

12 मई अर्न्तराष्ट्रीय नर्स दिवसः–

शासकीय महाविद्यालयसनावलमें अर्न्तराष्ट्रीय नर्स दिवस के रुप में मनाया जाता है सत्र 2020–21 में नर्स दिवस की थीम "NURSES: A VOICE TO LEAD A VISION FOR FUTURE HEALTH CARE" रखी गई थी। इस कार्यक्रम का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से कराया गया था जिसमें उपस्थित वक्ताओं ने नर्स व डॉक्टर की भूमिका के विषय में व्याख्यान दिया। इस वैश्विक महामारी ब्व्टप्ब्:19 से पूरा विश्व लड़ रहा है तथा इसमें महत्वपूर्ण भूमिका नर्स व डॉक्टर की है, जो दिन रात मरीजों की सेवा में लगे हुए है तथा उनकी मानसिक व शारीरिक सभी प्रकार से सेवा कर रहे है। तथा

WOMAN CELL

मरीजों को मानसिक रुप से कोरोना वायरस से लडने व जीतने के साथ–साथ बचाव के लिए भी प्रेरित कर रहे हैं।इस दिवस को नर्स दिवस के रुप में मनाकर स्वास्थ्यकर्मियों को प्रोत्साहित तथा उनका अभिवादन किया गया।

विगत छः वर्षों के आंकडेः–

क्र.	सत्र	छात्र	छात्रा	कुल
1.	2015–16	131	81	212
2.	2016–17	149	91	240
3.	2017–18	208	129	337
4.	2018–19	161	130	291
5.	2019–20	106	131	236
6.	2020–21	140	156	296

निष्कर्षः–

बड़े हर्ष की बात है, कि इस महाविद्यालय में लैंगिक समानता को बनाये रखने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रयास व व्यवस्था भी की गयी हैं। साथ ही साथ समितियों का गठन भी किया गया है इस महाविद्यालय में छात्रों की अपेक्षा छात्राओं की संख्या अधिक होते हुए भी अब तक **महिला उत्पीड़न** के संबंध में किसी भी प्रकार का कोई भी प्रकरण समिति के समक्ष नहीं आया है, कई छात्राएँ आर्थिक परिस्थिति से जुझते हुए भी अध्ययन करने दूरस्थ ग्रामीण अंचलों से आती हैं। महाविद्यालय परिवार का प्रयास है, कि निकट भविष्य में महाविद्यालय की सुविधओं को और बेहतर किया जा सके इस हेतु प्रत्येक वर्ष नित नयी योजनाओं का क्रियान्वयन होता रहा है ताकि हमारे महाविद्यालय के छात्र–छात्राएँ सभी क्षेत्रों में विकास की ओर अग्रसर हो सकें।

WOMAN CELL

प्राचार्य